आईआईटी में बना सांस की बीमारियों की पहचान करने वाला उपकरण

इंदौर। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) इंदौर ने सांस संबंधी बीमारी जैसे अस्थमा, क्रॉनिक ऑब्सट्रेक्टिव पल्मोनरी, न्यूमोथोरैक्स, इन्फेक्शन और निमोनिया की पहचान करने के लिए संस्थान ने ई-रेस्पायरोकेयर उपकरण बनाया है। इससे खासकर ग्रामीण क्षेत्रों के उन लोगों को फायदा मिलेगा, जहां दूर तक हॉस्पिटल और डॉक्टर नहीं है। पोर्टेबल और कॉम्पेक्ट उपकरण को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी टेक्नोलॉजी से जोड़ा गया है। इससे मरीज की लगातार निगरानी करने में आसानी होगी। दूरदराज के क्षेत्रों में सांस संबंधी बीमारियों के कारण काफी लोगों की जान चली जाती है। इन मामलों में मृत्युदर कम करने में इस उपकरण से मदद मिलेगी। आईआईटी द्वारा जारी जानकारी में कहा गया है कि सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा) जो गांवों में जाकर स्वास्थ्य सेवाएं देते हैं उनके पास उपकरण उपलब्ध हो जाने के बाद महंगी लैब में जांच कराने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस रिसर्च के लिए संस्थान को बेस्ट टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट अवॉर्ड के लिए चुना गया है।

Nai Dunia (Indore), 8th February 2019, Page-17